# पाठ - 14. लोकगीत (भगवतशरण उपाध्याय)

## शब्दार्थ :-

| | | |
|---|---|---|
| लोच | - | लचीलापन |
| करताल | - | एक वाद्ययंत्र |
| ताजगी | - | नयापन |
| बखान | - | वर्णन |
| सिरजती | - | बनाती |
| हेय | - | हीन |

## प्रश्नोत्तर :-

**प्रश्न 1. निबंध में लोकगीतों के किन पक्षों की चर्चा की गई है? बिंदुओं के रूप में उन्हें लिखो ।**

**उत्तर -** निबंध में लोकगीतों के निम्नलिखित पक्षों की चर्चा की गई है :-

1. लोक गीतों की रचना का विषय
2. रचनाकार
3. गायन शैली
4. राग
5. लोकगीतों की भाषा
6. गायन के अवसर
7. गाने वाली जातियाँ
8. वाद्ययंत्र
9. लोकप्रियता

**प्रश्न 2. गरबा के विषय में आप क्या जानते हैं ? विस्तार से वर्णन कीजिए ।**

**उत्तर -** गरबा एक प्रकार का गायन है । यह गुजरात का प्रसिद्ध गायन है । इसको समूह में गाया जाता है तथा लोग गरबा नाचना और गाना पसंद करते हैं । इस गायन में बहुत सारी स्त्रियाँ एक गोले में खड़ी हो जाती है और बार-बार घूमती है । घूमते समय उन स्त्रियों के हाथ में दो छोटी डांडिया होती है जिन्हें वे ध्वनि के अनुसार एक बार दूसरी स्त्री के हाथ की डंडियों में मारती है यही क्रम बार-बार चलता रहता है | यह बहुत ही मधुर तथा ध्यानपूर्वक किया जाने वाला नृत्य है ।

**प्रश्न 3. लोकगीत किस अर्थ में शास्त्रीय संगीत से भिन्न है ?**

**उत्तर -** लोकगीत अपने लचीलेपन, ताजगी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न है । इन्हें गाने के लिए साधना की जरूरत नहीं होती है ।

**प्रश्न 4. हमारे यहाँ स्त्रियों के खास गीत कौन - कौन से हैं ?**

**उत्तर -** हमारे देश में स्त्रियों के अपने गीत है जो उनके कार्यों से जुड़े हैं और जिन्हें वे गाती है | त्योहारों की तैयारी के गीत, नहाने जाते समय राह के गीत, विवाह के भोज के संबंधियों के लिए प्रेम युक्त गाली व जन्म आदि अनेक अवसरों पर स्त्रियाँ गीत गाती हैं ।

# पाठ - 15. नौकर (अनु बंधोपाध्याय)

## शब्दार्थ :-

बैरिस्टरी - वकालत
कौपीनधारी - लंगोटी पहनने वाला
कारकुन - क्लर्क
अनुकरण - नकल करना
आग्रह - अनुरोध
निष्फल - बेकार , असफल
पखवाड़ा - पंद्रह दिन

## प्रश्नोत्तर :-

**प्रश्न 1. 'आश्रम में गांधी कई ऐसे काम करते थे, जिन्हें आमतौर पर नौकर - चाकर करते हैं ' । पाठ से ऐसे प्रसंग लिखिए ।**

उत्तर - आश्रम में गांधी कई ऐसे काम करते थे जिन्हें आमतौर पर नौकर चाकर करते हैं । वे कार्य थे -

- आश्रम वासियों के लिए रोज सुबह चक्की पर आटा पीसा करते थे और कभी-कभी वे चक्की ठीक करने के लिए घंटों मेहनत करते थे ।
- सुबह की प्रार्थना के बाद गांधीजी रसोई में जाकर सब्जियाँ छीला करते थे ।
- आश्रम के लिए गेहूँ बीनने का काम भी गांधीजी किया करते थे ।

**प्रश्न 2. आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गांधीजी ने कौन - सा काम करवाया और क्यों ?**

उत्तर - आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गांधी जी ने गेहूँ बीनने का काम करवाया । वे उनका घमंड चूर करना चाहते थे ।

**प्रश्न 3. लंदन में भोज पर बुलाए बुलाए जाने पर गांधीजी ने क्या किया ?**
उत्तर - लंदन में भोज पर बुलाए जाने पर गांधीजी समय से पहले ही पहुँच गए और तश्तरियाँ धोने, सब्जी साफ करने तथा अन्य छोटे - मोटे काम करने में मेजबान की मदद करने लगे ।

**प्रश्न 4. गांधी जी इतना पैदल क्यों चलते थे ? पैदल चलने के क्या लाभ है ? लिखिए ।**
उत्तर - पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है । गांधी जी यह बात जानते थे, इसलिए वे मीलों पैदल चला करते थे । पैदल चलना एक व्यायाम है । इससे पैरों की हड्डियों व मांसपेशियों को मजबूती मिलती है । शरीर की चुस्ती व स्फूर्ति बनी रहती है । पैदल चलने की आदत स्वस्थ रहने में मददगार है ।

## <u>विराम - चिह्न</u>

**परिभाषा :-**

लिखित भाषा में विभिन्न भावों या विचारों को स्पष्ट करने के लिए कुछ संकेत - चिह्नों का प्रयोग किया जाता है ये संकेत - चिह्न विराम चिह्न कहलाते हैं |
हिंदी भाषा में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख विराम - चिह्न निम्नलिखित हैं -

| नाम | चिह्न |
|---|---|
| पूर्णविराम | **।** |
| अर्द्धविराम | **;** |
| विस्मयादिबोधक | **!** |
| योजक - चिह्न | **-** |
| उद्धरण - चिह्न | **“ ”** |
| अल्पविराम | **,** |
| प्रश्नसूचक | **?** |
| निर्देशक - चिह्न | — |
| लाघव - चिह्न | **0** |

| | |
|---|---|
| कोष्ठक - चिह्न | **( )** |

**[1] पूर्ण विराम :-  ( । )**

मानव पढ़ रहा है ।

सुधा चित्र बना रही है ।

**[2] अल्पविराम :-  ( , )**

राकेश, महेश, दिनेश आ रहे हैं ।

मेहनत से सुख, धन प्राप्त होता है ।

**[3] अर्द्धविराम :-  ( ; )**

गाँधी जी नहीं रहे; अमर हो गए ।

जो चाहो सो करो; मैं अब यहाँ से नहीं जाऊँगा |

**[4] प्रश्नसूचक :-  ( ? )**

तुम कहाँ जा रहे हो ?

क्या मैं आपके काम आ सकता हूँ ?

**[5] विस्मयादिबोधक :-  ( ! )**

वाह ! तुमने कमाल कर दिया !

उफ़ ! ये क्या हो गया |

**[6] निर्देशकचिन्ह :-  ( — )**

रमा - क्या  कर रहे हो राजीव ?

**[7] योजकचिन्ह :-  (-)**

पाप-पुण्य , रात-दिन ।

**[8] लाधव चिन्ह :-  (0)**

**डॉ.** (डॉक्टर) , उ. प्र. (उत्तर प्रदेश)

**[9] उद्धरण चिन्ह :-  ( “ “ )**

“जय जवान जय किसान”

**[10] कोष्ठक चिन्ह :-  ( )**

छात्र (उदास होकर) अब क्या होगा ।

## <u>अभ्यास कार्य</u>

**निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम - चिह्न लगाकर वाक्य दोबारा लिखिए :-**

(क) सोमवार मंगलवार और बुधवार को ही तुम वहाँ जाना

(ख) राहुल ने चिल्लाते हुए कहा करुणा मुझे परेशान मत करो

(ग) रामधारी सिंह दिनकर ने कुरुक्षेत्र नामक काव्य की रचना की है

(घ) आजकल दालें चावल मसाले आटा सभी चीज़े महँगी हो रही हैं

(ड.) मोहन ने पूछा आपके पिता जी क्या करते हैं मैंने बताया डॉक्टर हैं

(च) परीक्षा परिणाम सुनकर वह उछलना कूदना नाचता गाता आ रहा था

(छ) भाई साहब यह कौन है अरे इसे नहीं जानते यह मोहन है सोहन का भाई

(ज) रोने चिल्लाने से क्या होता है हमें हँसते हँसते जीना चाहिए क्यों ठीक कहा न

**निम्नलिखित विराम - चिह्नों का प्रयोग करते हुए दो - दो वाक्य लिखिए :**

(क) (?) ----------

---

(ख) (!) ----------

---

(ग) (,) ----------

---

(घ) (.) ----------

---

**अभ्यास कार्य** - 1 , 2 नोट बुक में करवाया जाएगा और 3 पाठ्यपुस्तक में करवाया जाएगा |

## अपठित गद्यांश ( पृष्ठ संख्या 187 )

**किसान हमारा अन्नदाता है |----------**

**---------- हर संभव प्रयास करना चाहिए |**

(क) किसान को अन्नदाता क्यों कहा गया है ?

(ख) भारत का कृषक कैसा है ?

(ग) किसान के जीवन का उद्देश्य क्या है ?

(घ) कृषक के जीवन का आधार क्या है ?

(ङ) भारतीय कृषक का जीवन कैसा है ?
(च) लाल बहादुर शास्त्री जी ने किसानों के लिए क्या नारा दिया ?

## अनौपचारिक पत्र

**(1)** अपनी मौसी जी को पत्र लिखिए जिसमें उनके द्वारा भेजी गई कहानी की किताब के लिए धन्यवाद प्रकट किया गया हो |

**अभ्यास हेतु**

(2) अपनी सखी को बड़े भाई की शादी में आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए |

## पाठ -17 साँस - साँस में बाँस (एलेक्स एम. जॉर्ज)

**शब्दार्थ :-**

करतब - करामत
दफ़नाना - जमीन में गाड़ना
प्रचलन - जो परंपरा में हो
डलियानुमा - टोकरी के आकार वाला
समुदाय - दल
हुनर - कला

**प्रश्नोत्तर :-**

**1. बाँस को बूढ़ा कब कहा जा सकता है ? बूढ़े बाँस में कौन-कौन सी विशेषता होती है जो युवा बाँस में नहीं पाई जाती ?**

**उत्तर** - तीन वर्ष से ऊपर की आयु वाले बाँस को बूढ़ा बाँस कहा जा सकता है । बूढ़े बाँस की विशेषता यह है कि वह बहुत सख्त होता है । जबकि युवा बाँस मुलायम होता है । उसे सामान बनाने के लिए किसी भी तरह मोड़ा जा सकता है ।

**2. बाँस की बुनाई मानव के इतिहास में कब आरंभ हुई होगी ?**

**उत्तर** - बाँस की बुनाई मानव इतिहास में तब प्रारंभ हुई होगी, जब मनुष्य ने घूम - घूमकर भोजन एकत्र करने के लिए शुरू किया । भोजन एकत्र करने के लिए किसी डलियानुमा वस्तु

की जरूरत महसूस होने पर उसने बाँस की बुनाई शुरू की होगी और बाद में धीरे-धीरे कलात्मक चीज़े बनाना शुरू किया होगा ।

**3. बाँस की बुनाई कैसे होती है ?**

**उत्तर** - बाँस की बुनाई वैसे ही होती है जैसे कोई और बुनाई । पहले खपच्चियों को आड़ा तिरछा रखा जाता है । फिर बाने को बारी - बारी से ताने के ऊपर नीचे किया जाता है । इससे चेक का डिजाइन बनता है । टोकरी के सिरे पर खपच्चियों को चोटी की तरह गूँथ लेते हैं या कटे सिरों को नीचे मोड़कर फंसा देते हैं ।

## अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1. जो ईश्वर में विश्वास रखता है - आस्तिक
2. जो पढ़ा - लिखा न हो - अनपढ़
3. जो कड़वा बोले - कटुभाषी
4. प्रतिदिन होने वाला - दैनिक
5. मांस खाने वाला - मांसाहारी
6. जो दान करता हो - दानी
7. सदा सत्य बोलने वाला - सत्यवादी
8. जिसमें बल न हो - निर्बल
9. छोटा भाई - अनुज
10. आज्ञा का पालन करने वाला - आज्ञाकारी
11. जो साथ पढ़ता हो - सहपाठी
12. जो कभी न मरे - अमर
13. प्रत्येक सप्ताह होने वाला - साप्ताहिक
14. दूसरों पर उपकार करने वाला - परोपकारी
15. देखने वाला - दर्शक

## अनुच्छेद लेखन

**1. वर्षा ऋतु :-** संकेत बिंदु - भूमिका , वर्षा का प्रारम्भ , वर्षा का सौन्दर्य ,

विविध त्यौहार , बालकों की मस्ती , उपसंहार ।

**अभ्यास हेतु :-**

**2. रंगों का त्यौहार होली :-** संकेत बिंदु - भूमिका , प्रह्लाद की कथा , होली की मस्ती , ब्रज की होली , उपसंहार ।

## पाठ -10 लंका में हनुमान (बाल रामकथा)

**प्रश्नोत्तर :-**

**1. हनुमान ने लंका में सीता की खोज किस प्रकार की ?**

**उत्तर** - हनुमान ने रात के अंधेरे में रावण के महल का चप्पा-चप्पा छान मारा परंतु सीता जैसी कोई स्त्री नहीं देखी । तभी उन्हें अंत:पुर में लगी वाटिका दिखाई दी, जिसमें अशोक के ऊँचे - ऊँचे वृक्ष लगे थे । वह दीवार लांघकर वाटिका में पहुँचे और आशा से विपरीत उन्हें राक्षसिंयो से घिरी शोकग्रस्त सीता दिखाई दी ।

**2. त्रिजटा कौन थी ?**

**उत्तर** - त्रिजटा लंका की एक राक्षसी थी जो अन्य राक्षसियों से अलग थी । वह अन्य राक्षसियों की तरह सीता को धमकाती नहीं थी । अपितु सीता से अपनेपन व स्नेह से बात करती थी ।

## पाठ - 11 लंका विजय (बाल रामकथा)

**प्रश्नोत्तर :-**

**1. राम की वानर सेना ने लंका की ओर किस प्रकार कूच किया ?**

**उत्तर -** राम की वानर सेना किष्किंधा से दहाड़ती, गरजती , किलकारियाँ भरती रवाना हुई । राम-लक्ष्मण और सुग्रीव की जय कार से आकाश गूंज उठा । लाखों वानर कोलाहल मचाते तथा पेड़ों पहाड़ों को रोदतें चले जा रहे थे । सेना का नेतृत्व नल कर रहे थे ।

**2. कुंभकरण कौन था ?**

**उत्तर** - कुंभकरण रावण का भाई था ।

**3. रणक्षेत्र में लक्ष्मण कैसे अचेत हुए ? उनका उपचार कैसे किया गया ?**

**उत्तर** - लक्ष्मण और रावण में युद्ध हो रहा था तभी वहाँ राम और विभीषण भी आ गए । राम की सेना के साथ विभीषण को देख रावण आग बबूला हो गया । रावण उसे देशद्रोही मानता था । उसने विभीषण को बाण का निशाना बनाया, किंतु लक्ष्मण ने बाण काट दिया । रावण के दूसरे बाण के आगे स्वयं लक्ष्मण आ गए, विभीषण को बचा लिया, बाण लगते ही लक्ष्मण अचेत हो गए । हनुमान उन्हें रणक्षेत्र में दूर ले गए तथा संजीवनी बूटी लाए, जिसके चमत्कारी प्रभाव एवं वैद्य सुषेण की राय से लक्ष्मण ठीक हो गए ।

## पाठ -12 राम का राज्याभिषेक (बाल रामकथा)

**प्रश्नोत्तर :-**

**1. नंदीग्राम में राम का स्वागत किस प्रकार हुआ ?**

**उत्तर -** नंदीग्राम में राम का भव्य स्वागत हुआ । आकाश राम के जयघोष से गूंज उठा । भरत भागते हुए आश्रम के भीतर गए । राम की खड़ाऊ उठा लाए । जिसे सिंहासन पर रखकर उन्होंने चौदह वर्ष राजकाज चलाया था । झुककर अपने हाथों से राम को पहनाई । सबके चेहरों पर प्रसन्नता थी । सबकी आँखे ख़ुशी के आँसुओं से नम थी ।

**2. राम के राजकाल में अयोध्यावासी किस प्रकार रहते थे ?**

**उत्तर** - राम ने लम्बे समय तक अयोध्या पर राज किया , उनके राज में किसी को कष्ट नहीं था । राम के राज काल में कोई बीमार नहीं पड़ता था । खेत हरे - भरे थे । पेड़ फलों से लदे रहते थे । राम न्यायप्रिय थे । गुणों के सागर थे । उनका राज्य राम राज्य था ।

## चित्र - वर्णन

व्याकरण पुस्तक निपुण से पृष्ठ संख्या 231 से चित्र वर्णन नोटबुक में करवाया जायेगा ।

# पाठ 12. संसार पुस्तक है (पत्र), <u>जवाहर लाल नेहरू</u>

**शब्दार्थ** :-

टापू - पानी से घिरी धरती
अकसर - प्रायः
आबाद - सुरक्षित
गढ़ना - बनाना
रोड़ा - छोटा ईंट का टुकड़ा
ज़र्रा - कण
दरिया - नदी

**प्रश्नोत्तर :-**

**प्रश्न 1. लेखक ने 'प्रकृति के अक्षर' किन्हें कहा है ?**
**उत्तर -** लेखक ने पत्थर के टुकड़ों, पहाड़, समुंद्र, नदियों, जंगलों और जानवरों की हड्डियों को 'प्रकृति के अक्षर' कहा हैं ।

**प्रश्न 2. लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी ?**
**उत्तर -** लाखों-करोड़ों वर्ष पहले धरती पर किसी भी जीव का अस्तित्व संभव नहीं था क्योंकि उस समय धरती बहुत गर्म थी ।

**प्रश्न 3. गोल चमकीला रोड़ा अपनी क्या कहानी बताता है ?**
**उत्तर -** गोल चमकीला रोड़ा अपने विकास की कथा बताता है कि कुछ समय पहले वह चट्टान से टूटा, खुरदरा और नुकीला टुकड़ा था । बारिश के पानी में बहते-बहते वह घाटी तक आया । घाटी से घिसते हुए वह बड़े दरिया तक पहुँचा | इस पूरी प्रक्रिया में वह गोल और चमकदार बन गया ।

**प्रश्न 4. नेहरु जी ने इंदिरा को पत्रों के माध्यम से देश-दुनिया की कथा लिखने का इरादा क्यों किया ?**
**उत्तर -** पं.जवाहरलाल नेहरु अपनी बेटी को आस-पास की दुनिया के बारे में जानकारी देना चाहते थे । कहानियाँ रोचक होती है तथा दुर्लभ जानकारियों के साथ-साथ व्यापक दृष्टिकोण भी प्रदान करती है । इसलिए नेहरु जी ने इंदिरा को पत्रों के माध्यम से देश-दुनिया की कथा लिखने का इरादा किया ।

**प्रश्न 5. 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' पुस्तक के विषय में आप क्या जानते हैं ?**
उत्तर - पं. जवाहरलाल नेहरु ने अपनी पुत्री इंदिरा गाँधी को जो पत्र लिखे वे 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' पुस्तक में संकलित है । ये पत्र अंग्रेजी भाषा में लिखे थे, जिनका अनुवाद हिंदी के मशहूर उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद ने किया है |

# विशेषण

**परिभाषा** :- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं ।

## विशेषण के भेद

1. गुणवाचक विशेषण
2. परिमाणवाचक विशेषण
3. संख्यावाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण

**1. गुणवाचक विशेषण** :- जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम के रूप , रंग , गुण , दोष , भाव , दशा , अवस्था , स्वाद - गंध आदि का बोध कराते हैं , वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं ।
**जैसे -** अच्छा , बुरा , लम्बा , चौड़ा , गरीब , अमीर , ऊँचा , नीचा , खट्टा , मीठा , नमकीन आदि |

- सफ़ेद कबूतर उड़ गया |

**2. परिमाणवाचक विशेषण** :- जिन विशेषण शब्दों से वस्तुओं की माप - तौल संबंधी विशेषता का पता चले , उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं ।

**जैसे -** दो लीटर , पाँच किलो - **निश्चित परिमाणवाचक**
बहुत - सा तेल , थोडा शरबत - **अनिश्चित परिमाणवाचक**

- दो लीटर दूध देना |
- गिलास में थोड़ा शरबत रखा है |

**3. संख्यावाचक विशेषण** :- जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की संख्या संबंधी विशेषता का बोध कराते हैं, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं ।

**जैसे -** एक गिलास , दो दर्जन - **निश्चित संख्यावाचक**
कुछ आम, अनेक लोग, कई पुस्तकें - **अनिश्चित संख्यावाचक**

- एक दर्जन केले दे दो |
- सभा में अनेक लोग आए हैं |

**4. सार्वनामिक विशेषण :-** जो सर्वनाम शब्द किसी संज्ञा से पहले प्रयुक्त होकर उसकी विशेषता बताते हैं या उसकी ओर संकेत करते हैं , वे सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं |

**जैसे -** वह , यह , वे आदि ।

- यह पुस्तक मेरी है |

## विशेषण शब्दों की रचना

| संज्ञा | विशेषण | सर्वनाम | विशेषण |
|---|---|---|---|
| अर्थ | आर्थिक | मैं | मुझ - सा |
| धन | धनवान | यह | ऐसा |
| नीति | नैतिक | वह | वैसा |
| रंग | रंगीला | मुझ | मुझ - सा |
| वर्ष | वार्षिक | कौन | कैसा |
| भूख | भूखा | तुम | तुम - सा |

**अभ्यास कार्य :-**

**प्रश्न 2. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण छाँटकर उनके भेद भी लिखिए :**

**(क) घने जंगल में एक शेर रहता था |**
**(ख) सुंदर दृश्य देखकर सभी बच्चे खुश हुए |**
**(ग) बूढ़ा माली मीठे आम तोड़ रहा है |**
**(घ) छोटी लड़की ने पीली फ्रॉक पहन रखी है |**
**(ड.) ऊँचे पेड़ पर कुछ पक्षी चहचहा रहे हैं |**
**(च) कच्चे आम खट्टे होते हैं |**

**प्रश्न 3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के विशेषण बनाकर रिक्त स्थानों में भरिए :**

**(क) ---------- सैनिक वीरता से लड़े |** **(भारत)**

**(ख) भीम बहुत ---------- था |** **(बल)**

**(ग) मेरा बड़ा भाई ---------- है |** **(तैरना)**

**(घ) एडीसन एक महान ---------- थे |** **(विज्ञान)**

## 13. मैं सबसे छोटी होऊँ (कविता)

**कवि - सुमित्रानंदन पंत**

**शब्दार्थ** :-

अंचल - आँचल

छलती - धोखा देती है

कर - हाथ

गात - शरीर

स्नेह - प्रेम

चंद्रोदय - चाँद का निकलना

**प्रश्नोत्तर :-**

**प्रश्न 1. आशय स्पष्ट कीजिए :-**

**हाथ पकड़ फिर सदा हमारे**
**साथ नहीं फिरती दिन-रात !**

**उत्तर -** इस कविता का आशय यह है कि बच्ची अपनी माँ की सबसे छोटी संतान बनकर रहना चाहती है क्योंकि बड़े हो जाने पर उसका साथ माँ से छूट जाता है जिस तरह छोटे रहने पर माँ हमेशा बच्चे के साथ रहकर समय तथा प्यार देती थी वैसा अब नहीं करती है | वह हमेशा माँ का साथ चाहती है ।

**प्रश्न 2. कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना क्यों की गई है ?**

**उत्तर -** कविता में बचपन में मिलने वाले माँ के प्यार, ममता रुपी आँचल की छाया व विभिन्न प्रकार के खिलौनों के लिए सबसे छोटे होने की कल्पना की गई है ।

**प्रश्न 3. कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' क्यों कहा गया है ?**

**उत्तर -** इस कविता में एक बच्ची माँ की साथ रहने के लिए छोटी ही बनी रहना चाहती है, वह ऐसी बड़ी बनना पसंद नहीं करती है, जिससे वह माँ का दुलार ना पा सके | बड़ी बनकर वह माँ के प्यार को खोना नहीं चाहती है इसलिए वह बड़ी नहीं होना चाहती है |

**प्रश्न 4. माँ के आँचल की छाया दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह है, कैसे ?**
**उत्तर -** बचपन में हम सभी चिंताओं से मुक्त रहते हैं, वहाँ हमें किसी प्रकार का खतरा महसूस नहीं होता है | माँ हमें हर समस्या से बचा कर रखती है इसलिए माँ के आँचल की छाया को दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह कहा गया है ।

## अपठित गद्यांश

**निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

**इस संसार में मनुष्य ही सर्वश्रेष्ठ ..... अपना भाग्य निर्मित कर सकता है |**

**Page No. 184**

(1) संसार में सर्वश्रेष्ठ प्राणी कौन है ?
(2) इस संसार के कैसे व्यक्ति सुखों का भोग करते हैं ?
(3) कुछ लोग असफलताओं के लिए किसे दोष देते हैं ?
(4) स्वावलंबन का सामानार्थी शब्द है -
(5) मनुष्य किसके बल पर अपना भाग्य बना सकता है ?
(6) इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए |

## अनौपचारिक पत्र

1. स्वच्छता का महत्त्व बताते हुए मित्र को पत्र लिखिए |

**अभ्यास हेतु :-**
मनपसंद पुस्तक खरीदने के लिए पिताजी को पत्र लिखकर पैसे भेजने का अनुरोध कीजिए |

# बाल रामकथा - पाठ 7. सोने का हिरण

**प्रश्न 1. मारीच की मायावी पुकार का लक्ष्मण और सीता पर क्या प्रभाव पड़ा ?**
**उत्तर -** मारीच की मायावी पुकार का रहस्य समझकर लक्ष्मण ने अपनी चौकसी बढ़ा दी और राक्षसों की अगली चाल की प्रतीक्षा कर रहे थे, परंतु सीता वह आवाज सुनकर विचलित हो गई, उन्होंने समझा कि राम किसी संकट में फँस गए हैं, उन्होंने लक्ष्मण से राम की सहायता के लिए जाने को कहा ।

**प्रश्न 2. रावण कैसे वस्त्र पहनकर सीता के सामने आया ?**
**उत्तर -** रावण गेरुआ वस्त्र पहनकर सीता के सामने आया |

**प्रश्न 3. सीता के आभूषण किसने उठाए ?**
**उत्तर -** सीता के आभूषण वानरों (बंदरों) ने उठाए |

# बाल रामकथा - पाठ 8. सीता की खोज

**प्रश्न 1. कुटिया की ओर लौटते हुए राम क्या सोच रहे थे ?**
**उत्तर -** कुटिया की ओर लौटते हुए राम के मन में कई तरह की आशंकाएँ थी | मारीच छल से उन्हें कुटिया से दूर ले आया था । अब वह वापसी में तनिक भी विलंब नहीं करना चाहते थे । वे लक्ष्मण को सीता की रखवाली में छोड़ आए थे | वे चाहते थे कि लक्ष्मण ने मारीच की मायावी पुकार न सुनी हो और वह कुटिया पर ही हो । उन्हें भय था कि यदि लक्ष्मण उनकी खोज में चले आए तो राक्षस सीता को मार डालेंगे |

**प्रश्न 2. कबंध ने राम को पहले किस - से मिलने को कहा ?**
**उत्तर -** कबंध ने राम को पहले मतंग ऋषि की शिष्या शबरी से मिलने को कहा |

**प्रश्न 3. राम ने सीता का पता किस - किस से पूछा ?**
**उत्तर -** राम ने सीता का पता पत्थर , चट्टान , पेड़ - पौधे , नदी , हाथी- शेर से पूछा |

# बाल रामकथा - पाठ 9. राम और सुग्रीव

**प्रश्न 1. सुग्रीव ऋष्यमूक पर्वत पर क्यों रहते थे ?**

**उत्तर** - सुग्रीव ऋष्यमूक पर निर्वासित जीवन बिता रहे थे, उनका मूल निवास किष्किंधा था। पिता की मृत्यु के बाद उनके बड़े भाई बाली राजा बने थे। दोनों भाइयों में बहुत प्रेम था, परंतु बाद में राजकाज को लेकर मनमुटाव हुआ और झगड़ा इतना बढ़ गया कि बाली सुग्रीव को मार डालने पर उतर आया। अपनी जान बचाने के लिए सुग्रीव को ऋष्यमूक आना पड़ा |

**प्रश्न 2. राम ने हनुमान को दक्षिण दिशा की ओर भेजते समय क्या कहा ?**

**उत्तर -** राम ने हनुमान को दक्षिण दिशा की ओर भेजते समय अपनी अँगूठी दे कर कहा कि 'जब सीता से भेंट हो तो उन्हें यह दिखाना वह समझ जाएँगी तुम मेरे दूत हो।'

# <u>काल</u>

**परिभाषा** :-

क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का पता चले उसे काल कहते हैं |

**काल के भेद** :- काल के मुख्य तीन भेद हैं |

(1) भूतकाल (2) वर्तमान (3) भविष्यकाल

(1) **भूतकाल :-** क्रिया के जिस रूप से कार्य के बीते समय में होने का बोध हो, वह भूतकाल कहलाता है |

**जैसे -** वह बाजार गया था |

मैंने पाठ पढ़ा था |

**(2) वर्तमानकाल :-** क्रिया के जिस रूप से कार्य का चल रहे समय में होने का बोध हो , उसे वर्तमान काल कहते हैं |

**जैसे-** राधा पत्र लिख रही है |

राहुल स्कूल जा रहा है |

**(3 ) भविष्यत् काल :-** कार्य के जिस रूप से कार्य के आने वाले समय में होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं |

**जैसे -** दिव्या कल पत्र लिखेगी |

माँ बाज़ार जाएगी |

**अभ्यास कार्य :-**

**2. निम्नलिखित वाक्यों को वर्तमान काल में बदलिए :-**

(क) माँ बाज़ार जाएगी |

(ख) मैं सो रहा था |

(ग) वह परेशान होगा |

(घ) जयेश मुंबई गया था |

(ड.) लगता है कल वर्षा होगी |

(च) क्या तुम कल स्कूल जाओगे ?

**3. निम्नलिखित वाक्यों को भूतकाल में बदलिए :-**

(क) मुझे नींद आ रही है |

(ख) मैं पढ़ रहा हूँ |

(ग) माँ सफ़ाई कर रही है |

(घ) कल वर्षा होगी |

(ड.) मुझे ऑफिस जाना है |

(च) कैलाश टी.वी. देख रहा है |

**4. निम्नलिखित वाक्यों को भविष्यत् काल में बदलिए :-**

(क) वह गीत गा रहा है |

(ख) दादी पूजा कर रही है |

(ग) पिता जी आगरा गए थे |

(घ) मेरा मित्र आ रहा है |

(ड.) मामा जी अमेरिका गए |

(च) हलवाई मिठाई बना रहा है |

# मुहावरे

1. **अँगूठा दिखाना** - किसी काम के लिए साफ़ मना कर देना

- **वाक्य प्रयोग -** उसने मुझे पुस्तक देने का वादा किया था, मगर ऐन वक्त पर उसने मुझे अँगूठा दिखा दिया |

2. **आँखों में धूल झोंकना** - धोखा देना

- **वाक्य प्रयोग** - आतंकवादी ने सबकी आँखों में धूल झोंककर बस को बम से उड़ा

दिया |

3. **आसमान सिर पर उठाना** - बहुत शोर मचाना

- **वाक्य प्रयोग -** कक्षा में अध्यापिका के न होने पर बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया |

4. **उल्लू बनाना** - मूर्ख बनाना

- **वाक्य प्रयोग -** आजकल सभी दुकानदार ग्राहकों को उल्लू बनाने का प्रयत्न करते हैं |

**5. किस्मत खुलना** - भाग्य चमकना

- **वाक्य प्रयोग** - जब से गिरीश ने नई दुकान खोली है, उसकी तो किस्मत खुल गई है |

**6. खून खौलना** - जोश आना/ बहुत गुस्सा आना

- **वाक्य प्रयोग -** अपने देश पर आक्रमण होते देख किसका खून नहीं खौलता |

**7. घर सिर पर उठाना** - बहुत शोर मचाना

- **वाक्य प्रयोग -** बच्चों ने तो घर सिर पर उठा रखा है |

**8. टोपी उछालना** - अपमानित करना

- **वाक्य प्रयोग** - उस मूर्ख को समझाइए | वह तो बड़े-बड़ों की टोपी उछाल देता है |

**9. तिल का ताड़ बनाना** - मामूली - सी बात को बढ़ा - चढ़ाकर कहना

- **वाक्य प्रयोग -** अरे ! छोटी - सी बात थी | तुमने तो तिल का ताड़ बना दिया |

**10. थाली का बैंगन** - अस्थिर विचार वाला

- **वाक्य प्रयोग** - सुरेंद्र तो थाली का बैंगन है, उसका विश्वास मत करना |

## <u>अनौपचारिक पत्र</u>

अपने मित्र को पत्र लिखकर नववर्ष की शुभकामना दीजिए|

**अभ्यास हेतु :**

अपनी छोटी बहन को पत्र लिखकर परिश्रम के महत्त्व के विषय में बताइए |

## संवाद लेखन

महिला और दुकानदार के बीच बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए ।

**अभ्यास हेतु :**

रेलवे स्टेशन पर खड़े दो व्यक्तियों की बातचीत को संवाद के रुप में लिखिए ।

# पाठ 2 : जंगल और जनकपुर

**प्रश्न - 1 वन में विश्वामित्र ने राम - लक्ष्मण को कौन-कौन-सी विद्याएँ सिखाई ?**

**उत्तर -** विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को बला-अतिबला नामक विद्याएँ सिखाई | जिसे सीखने के बाद निद्रावस्था में भी कोई उन पर प्रहार नहीं कर सकता था |

**प्रश्न - 2 सुंदरवन का नाम 'तड़का वन' कैसे पड़ गया ?**

**उत्तर -** सुंदरवन नदी के पार था | यह अत्यंत घना और दुर्गम जंगल था | इसी वन में ताड़का नाम की राक्षसी रहती थी | जिसके डर से वहाँ कोई नहीं आता-जाता था | जो भी उधर आता, ताड़का उस पर अचानक हमला करके मार डालती थी | उसके भय एवं आतंक के कारण ही सुंदरवन का नाम ताड़का-वन पड़ गया |

**प्रश्न - 3 मारीच क्यों क्रोधित था ?**

**उत्तर -** राम ने मारीच की माँ ताड़का का वध किया था इसलिए वह क्रोधित था |

.....

# पाठ - 3 : दो वरदान

**प्रश्न - 1 मंथरा ने रानी कैकेयी को क्या सलाह दी** ?

**उत्तर:** मंथरा ने रानी कैकेयी से कहा कि यदि राम का राज्याभिषेक हुआ तो भरत राम के दास बन जाएंगे | राम की माता कौशल्या राजमाता होंगी तथा कैकेयी का सम्मान कम हो जाएगा | अतःअच्छा है कि कैकेयी समय रहते राजा दशरथ से उनके द्वारा दिए दो वचन माँग ले | पहले वचन में भरत का राज्याभिषेक तथा दूसरे वचन में राम के लिए चौदह(14) वर्ष का वनवास |

**प्रश्न - 2 राजा दशरथ राम को ही युवराज क्यों बनाना चाहते थे ?**

**उत्तर -** राम अपने चारों भाइयों में बड़े थे | सीता स्वयंवर के बाद जब राम अयोध्या वापस आए तब दशरथ ने उन्हें राज-काज में शामिल करना शुरू कर दिया था | राम भी अपनी जिम्मेदारी भली प्रकार से निभा रहे थे| राम विनम्रता, विद्वता तथा पराक्रम में अद्वितीय थे | दरबार में उनका सम्मान बढ़ता देख राजा दशरथ राम को युवराज बनाना चाहते थे |

.....

# पाठ - 5 अक्षरों का महत्त्व

'अक्षरों का महत्त्व' मौखिक पाठ है | इसका वाचन व् स्पष्टीकरण कक्षा में किया जायेगा |

# पाठ 6 पार नजर के

**शब्दार्थ :-**

हथियाना - हासिल कर लेना

खैरियत - कुशलता

किस्म - प्रकार

मंशा - इच्छा

दरख्वास्त -आवेदन, प्रार्थना

## प्रश्नोत्तर

**प्रश्न - 1 छोटू को सुरंग में जाने की इजाजत क्यों नहीं थी ? बताइए |**

**उत्तर -** सुरंग का रास्ता जमींन के ऊपर जाता था | वहां के वातावरण में आम आदमी बिना सुरक्षा -उपकरणों के जीवित नहीं रह सकता था | इसके अतिरिक्त सुरंग में भी कई तरह के यंत्र लगे हुए थे | वहां केवल उन यंत्रों की देखभाल करने वाले लोग ही जाते थे | यही कारण था कि छोटू को सुरंग में जाने की इजाजत नहीं थी |

**प्रश्न - 2 कंट्रोल रूम में छोटू ने क्या देखा और वहां उसने क्या हरकत की ?**

**उत्तर -** कंट्रोल रूम में छोटू को अन्तरिक्ष यान क्रमांक -एक साफ़ नजर आ रहा था | मगर उसका ध्यान उस कॉन्सोल पैनल पर था, जिसपर कई बटन लगे हुए थे | उन रंग-बिरंगे बटनों को छोटू दबाकर देखना चाहता था | अंत: वह अपनी बाल सुलभ इच्छा को रोक नहीं पाया और उसने लाल बटन दबा दिया | उसकी इस हरकत के कारण अन्तरिक्ष यान-1 का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया |

**प्रश्न - 3 कहानी में अन्तरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों ?**

**उत्तर -** कहानी में अन्तरिक्ष यान को पृथ्वी गृह पर स्थित (नासा) नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने मंगल गृह की मिट्टी के नमूने लाने के लिए भेजा था | मंगल गृह पर जीवों का अस्तित्व है या नहीं यह जानने के लिए अन्तरिक्ष यान को मंगल गृह पर भेजा गया था |

# शब्द -निर्माण

## उपसर्ग

**परिभाषा :-** वे शब्दांश जो शब्द के पहले जुड़कर उनके अर्थ को बदल देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं |

जैसे - वि+ जय = विजय  स+ बल = सबल

**1. संस्कृत के उपसर्ग**

| **उपसर्ग** | **-** | **शब्द** |
|---|---|---|
| अ | - | अधर्म, अन्याय, असत्य |
| आ | - | आजन्म, आजीवन, आगमन |
| अप | - | अपमान, अपयश, अपवाद |
| अति | - | अतिरिक्त, अतिशय |
| प्रति | - | प्रतिकूल, प्रतिध्वनि, प्रतिकार |
| कु | - | कुमार्ग, कुपुत्र, कुकर्म |

**2. हिंदी के उपसर्ग**

| **उपसर्ग** | **-** | **शब्द** |
|---|---|---|
| अन | - | अनपढ़, अनमोल, अनजान |
| नि | - | निडर, निहत्था, निकम्मा |
| भर | - | भरपेट, भरपूर, भरसक |

**3. उर्दू के उपसर्ग**

| **उपसर्ग** | **-** | **शब्द** |
|---|---|---|
| बे | - | बेदाग, बेक़सूर, बेरहम |

हर - हररोज, हरदम, हरपल

ला - लाइलाज, लापरवाह, लाजवाब

**अभ्यास प्रश्न** :- पाठ्यपुस्तक निपुण में से अभ्यास प्रश्न -1, 2 और 4 नोटबुक में करवाया जाएगा | प्रश्न 3, 5 पाठ्यपुस्तक में करवाया जाएगा |

.....

## प्रत्यय

**परिभाषा**:- वे शब्दांश जो शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता लाते हैं या अर्थ को बदल देते हैं उसे प्रत्यय कहते हैं |

**प्रत्यय - शब्द**

वाला - रखवाला, पढ़नेवाला, गानेवाला

आई - बुनाई, लिखाई, पढ़ाई

दार - देनदार, लेनदार

आ - जागा, भागा, देखा

अन - मिलन, जलन

आवा - दिखावा, बुलावा, छलावा

इया - छलिया , घटिया, बढ़िया

ता - रोता, उगता, सोता

कर - देखकर, भूलकर, सुनकर

ना - गाना, खाना, रोना

**अभ्यास प्रश्न** :- प्रश्न 2, 3, 4 को नोटबुक में करवाया जाएगा | प्रश्न 5 पाठ्यपुस्तक में करवाया जाएगा |

# पाठ - 7 साथी हाथ बढ़ाना

**शब्दार्थ :-**

परबत - पर्वत

सीस - सिर

फौलादी - लोहे सी मजबूत

नेक - भला

कतरा - बूँद

**प्रश्न - 1 "सागर ने रस्ता छोड़ा ,परबत ने सीस झुकाया |" साहिर ने ऐसा क्यों कहा है ? लिखिए |**

**उत्तर -** एकता और संगठन में इतनी शक्ति होती है कि बड़ी से बड़ी रूकावटों को भी दूर किया जा सकता है | सागर को पार करना और पर्वत की चढ़ाई करना कठिन कार्य है किन्तु संगठन की शक्ति के द्वारा इन कार्यों को भी सहजता से किया जा सकता है | हमारे इतिहास व आस -पास के जीवन में अनेक ऐसे प्रसंग हैं जिनमें सामूहिक रूप से कार्य करके कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सकता है, इसलिए कवि ने "सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया " कहा है |

**प्रश्न -2 'साथी हाथ बढ़ाना' कविता हमें क्या प्रेरणा देती है ?**

**उत्तर** 'साथी हाथ बढ़ाना' कविता हमें मिल-जुल कर काम करने, एक दूसरे की सहायता करने ,देश हित में सोचने तथा मेहनत करने की प्रेरणा देती है | यह कविता एकता व संगठन के महत्त्व को स्पष्ट करती है, साथ ही संपूर्ण देशवासियों को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करती है |

**प्रश्न - 3 गीत में सीने और बाँहों को फौलादी क्यों कहा गया है ?**

**उत्तर :** कवि ने मनुष्य की शक्तियों को असीम बताते हुए निरंतर आगे बढ़ने को कहा है | ईश्वर ने हमारी बाँहों और सीने को अपार ताकत प्रदान की है | यह ताकत हवाओं का रुख मोड़ सकती है और असाध्य को भी साध्य कर सकती है | यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस शक्ति का प्रयोग किस प्रकार करते हैं | भीतर समाहित इन शक्तियों के कारण कवि ने सीने व बाँहों को फौलादी कहा है |

**प्रश्न - 4 मिल-जुलकर काम करने से क्या लाभ है ?**

**उत्तर -** मिल-जुलकर काम करने से कठिन कार्य भी सरल हो जाता है, काम में समय भी कम लगता है | इसके अलावा सहयोग व स्नेह की भावना का विकास होता है | समाज में समरसता बढ़ती है | लोगों में काम के प्रति उत्साह बना रहता है | उत्साह व लगन से कार्य करने पर देश की उन्नति की सम्भावना अधिक बढ़ जाती है इसलिए कविता में मिल-जुल कर काम करने के लिए कहा गया है |

.....

## अपठित काव्यांश

आज जीत की रात _____

_____पहरुए,

सावधान रहना | (पृष्ठ संख्या 190)

.....

## अनौपचारिक पत्र

1) भाषण प्रतियोगिता में प्रथम आने पर बधाई देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए |

**अभ्यास हेतु**

2) संगति का महत्त्व बताते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए |

.....

## संवाद लेखन

1) कक्षा में प्रथम आने पर पिता व पुत्र के मध्य संवाद लिखिए |

**अभ्यास हेतु**

2) परीक्षा की तैयारी को लेकर दो मित्रों की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए |

.....

# पाठ - 8 ऐसे - ऐसे (एकांकी)

## लेखक (विष्णु प्रभाकर)

**शब्दार्थ :**

बेचैन - परेशान

कल - चैन

बला - मुसीबत

खुराक - खाने की मात्रा

चोंगा - फोन का रिसीवर

**प्रश्न - 1 माँ मोहन के ऐसे - ऐसे कहने पर क्यों घबरा रही थी ?**

उत्तर - मोहन के पेट में दर्द था | वह रह - रहकर कराहता था और बेचैनी में करवटें बदलता था | पूछने पर बस यही कहता था कि उसके पेट में ऐसे - ऐसे हो रहा है | माँ समझ नहीं पा रही थी कि आखिर यह बीमारी कौन - सी है | उन्हें मोहन के चेहरे का रंग उड़ा - सा लगता था | यही कारण था कि मोहन के ऐसे - ऐसे कहने पर माँ घबरा रही थी |

**प्रश्न - 2 मोहन की माँ यह क्यों कहती है - हँसी की हँसी , दुःख का दुःख ?**

उत्तर - मोहन को बार - बार पूछने पर बस यही कहता है कि पेट में ऐसे - ऐसे हो रहा है | उसकी बात सुनकर माँ हँस पड़ती है | लेकिन मोहन इस दर्द से परेशान है, वह कराह रहा है और बेचैन है | उसके चेहरे का रंग भी उतर गया है | उसकी तकलीफ देखकर माँ दुखी है | इसलिए वह कहती हैं - हँसी की हँसी , दुःख का दुःख |

**प्रश्न - 3 स्कूल के काम से बचने के लिए मोहन ने कई बार पेट में 'ऐसे - ऐसे' होने के बहाने बनाए | मान लो, एक बार उसे सचमुच पेट में दर्द हो गया और उसकी बातों पर लोगों ने विश्वास नहीं किया, तब मोहन पर क्या बीती होगी ?**

उत्तर - बहाने बनाने वाले लोगों को अपनी गलती का ज्ञान तब होता है, जब सच में उन्हें समस्या का सामना करना पड़ता है | मोहन के पेट में यदि सचमुच दर्द हो जाए और लोग उसकी बातों पर विश्वास न करें, तब जाकर मोहन को पता चलेगा कि झूठ बोलने से क्या नुकसान होता है | संभवतः उसे अपनी आदत पर पछतावा होगा और वह भविष्य में कभी झूठ न बोलने का वादा करेगा |

**प्रश्न - 4 मोहन पेट दर्द का बहाना क्यों बनाता है ?**

उत्तर - मोहन ने छुट्टी का पूरा महीना खेल - कूदकर आनंद मनाते हए बिताया था | जब छुट्टी का मात्र एक दिन बचता है, तब उसे अचानक याद आता है कि उसका स्कूल का काम पूरा नहीं है इसलिए स्कूल जाने से बचने के लिए मोहन पेट दर्द का बहाना बनाता है |

## अनेकार्थक शब्द

व्याकरण निपुण से 1 से 15 तक अनेकार्थक शब्द नोटबुक में लिखवाए जाएंगे |(पेज न. 56)

## मुहावरे

व्याकरण निपुण से मुहावरे नोटबुक में लिखवाए जाएंगे |

(1, 3, 5, 8, 10, 11,12 ,13 ,19, 24 , 28 , 32)

**1. अंग - अंग ढीला होना** - बहुत थक जाना

वाक्य प्रयोग - सुबह से क्रिकेट के मैदान में भाग - दौड़ करते हुए मेरा अंग - अंग ढीला हो गया है |

**2. अंधे की लकड़ी** - एकमात्र सहारा

वाक्य प्रयोग - श्रवण अपने माँ - बाप की अंधे की लकड़ी था |

**3. अक्ल का दुश्मन** - मूर्ख

वाक्य प्रयोग - राहुल की समझ में कुछ नहीं आता | लगता है वह तो अक्ल का दुश्मन है |

**4. आँखें फेर लेना** - बदल जाना

वाक्य प्रयोग - करिश्मा ने पता नहीं क्यों मुझसे आँखें फेर ली हैं |

**5. आँखों का तारा** - बहुत ही प्यारा

वाक्य प्रयोग - करण अपनी माँ की आँखों का तारा है |

**6. आँखों में धूल झोंकना** - धोखा देना

वाक्य प्रयोग - आतंकवादी ने सबकी आँखों में धूल झोंककर बस को बम से उड़ा दिया |

**7. आकाश के तारे तोड़ना** - असंभव कार्य करना

वाक्य प्रयोग - मेहनती व्यक्ति चाहे तो आकाश के तारे तोड़ सकता है |

**8. आकाश - पाताल एक करना** - बहुत परिश्रम करना

वाक्य प्रयोग - कक्षा में प्रथम आने के लिए अनीता ने आकाश - पाताल एक कर रखा है |

**9. कमर कसना** - तैयार होना

वाक्य प्रयोग - अब तो परीक्षा की तैयारी के लिए रमेश ने कमर कस ली है |

**10. कान कतरना** - बहुत चतुर होना

वाक्य प्रयोग - छोटे भाई को बच्चा मत समझें , वह तो बड़े - बड़ों के कान कतरता है |

**11. किस्मत खुलना** - भाग्य चमकना

वाक्य प्रयोग - जब से गिरीश ने नई दुकान खोली है , उसकी तो किस्मत खुल गई है |

**12. खून खौलना** - बहुत गुस्सा आना

वाक्य प्रयोग - अपने देश पर आक्रमण होते देख किसका खून नहीं खौलता |

## पाठ - 4 राम का वनगमन

**प्रश्न - 1 सभी अयोध्यावासी रात भर क्यों जगे रहे ?**

**उत्तर -** कोपभवन के घटनाक्रम की जानकारी किसी को नहीं थी | फिर भी सभी अयोध्यावासी रात भर जगे रहे | कैकेयी भरत को राज दिलाने और राम को वन भेजने की अपनी जिद्द पर अड़ी थी और दशरथ उन्हें मनाने के लिए प्रयास कर रहे थे | इसलिए वे दोनों जाग रहे थे | नगरवासी राज्याभिषेक की तैयारी में जाग रहे थे और मुनि वशिष्ठ को राम के राज्याभिषेक की प्रतीक्षा में नींद नहीं आ रही थी |

**प्रश्न - 2 राम के चरित्र से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?**

**उत्तर -** राम धीर, वीर तथा अत्यंत पराक्रमी थे | इनके साथ विनम्रता, उदारता तथा आज्ञाकारिता जैसे गुण भी उनमे कूट-कूट कर भरे थे | जब कैकेयी ने भरत के लिए राजगद्दी तथा राम के लिए चौदह वर्ष का वनवास माँगा तो राम ने इसे सहर्ष स्वीकार कर लिया | राम के चरित्र से हमें माता - पिता की आज्ञा का पालन करने तथा परिजनों, अनुजों के प्रति स्नेह रखने की प्रेरणा मिलती है |

# पाठ - 5 चित्रकूट में भरत

**प्रश्न -1 अयोध्या नगरी को देखकर भरत के मन में क्या भाव उठे ?**

**उत्तर -** अयोध्या नगरी को भरत ने दूर से देखा तो चिंतित हो उठे | नगर उन्हें सामान्य नहीं लगा | सब कुछ बदला हुआ - सा था | अनिष्ट की आशंका उनके मन में और गहरी हो गई | उन्होंने कहा -"यह मेरी अयोध्या नहीं है | क्या हो गया इसे ? सड़कें सूनी हैं | बाग - बगीचे उदास हैं | इतनी चुप्पी क्यों छाई हुई हैं ? किसी ने भी भरत के प्रश्नों का जवाब नहीं दिया |

**प्रश्न - 2 भरत के चरित्र से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?**

उत्तर - भरत के चरित्र से हमें त्याग, भातृ - प्रेम और नीति के अनुसार आचरण करने की शिक्षा मिलती है |

# पाठ – 6 दंडक वन में दस वर्ष

**प्रश्न - 1 जटायु कौन था ? राम -लक्ष्मण से वह कहाँ मिला ?**

**उत्तर -** जटायु एक विशालकाय गिद्ध था | वह दशरथ का मित्र था | राम - लक्ष्मण से उसकी भेंट पंचवटी के मार्ग में हुई |

**प्रश्न - 2 राम की कुटी के समीप आकर मारीच ने क्या किया ?**

उत्तर - राम की कुटी के समीप आकर मारीच ने सोने के हिरण का रूप धारण कर लिया तथा कुटी के आस - पास घूमने लगा |

# अनुच्छेद लेखन

**सत्संगति -** संकेत बिंदु , भूमिका, अर्थ, संगति का प्रभाव, सत्संगति के लाभ, उपसंहार |

## अभ्यास हेतु

**अनुशासन -** संकेत बिंदु, भूमिका, अनुशासन का अर्थ, जीवन में महत्त्व, विद्यार्थी जीवन पर प्रभाव, उपसंहार |

# चित्र वर्णन

**व्याकरण निपुण के पृष्ठ संख्या 220 से चित्र वर्णन नोटबुक में करवाया जाएगा |**

# पाठ - 3

# नादान दोस्त

**लेखक - प्रेमचंद**

**शब्दार्थ :**

| | | |
|---|---|---|
| कार्निस | - | छज्जा |
| जिज्ञासा | - | जानने की इच्छा |
| हिफाज़त | - | सुरक्षा |
| आहिस्ता से | - | धीरे से |
| कसूर | - | गलती |
| यकायक | - | अचानक |

## प्रश्नोत्तर

**प्रश्न - 1 केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी ?**

**उत्तर -** केशव और श्यामा का मन पाक साफ था। वह भूलकर भी चिड़िया के अंडों को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहते थे । इतना जरूर था कि उन्हें उनके बारे में कुछ भी पता नहीं था । उन्हें लगता था कि चिड़िया के अंडों को कोई तकलीफ न हो । वह दोनों इस बात से अंजान थे कि चिड़िया अपने बच्चों की सुरक्षा खुद करने में सक्षम है । वह उन्हें सभी परेशानियों से बचा सकती है । जब बच्चों ने चिड़िया के अंडों को ऐसे रखे हुए देखा तो उन्हें बुरा लगा । इसके बाद उन्होंने अंडों को उठाया और कपड़े की गद्दी पर रख दिया । केशव और श्यामा को यह बात नहीं पता थी कि अंडों को अगर कोई भी छू ले तो चिड़िया फिर उन्हें सेती नहीं है । इसी वजह से चिड़िया आखिर में अंडों को गिराकर चली गई ।

**प्रश्न - 2 अंडों के बारे में दोनों आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे ?**

**उत्तर -** केशव और श्यामा की माता जी घर के कामों में बहुत व्यस्त रहती थीं और उनके पिता के पास पढ़ाई-लिखाई का कार्य हुआ करता था । उन दोनों के सवालों का जवाब देने के लिए कोई नहीं रहा करता था, इसलिए वे स्वयं ही एक दूसरे के सवालों का जवाब देकर तसल्ली दे दिया करते थे ।

**प्रश्न - 3 अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे ? वे आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे ?**

**उत्तर -** केशव और श्यामा के दिल में तरह-तरह के सवाल उठते । अंडे कितने बड़े होंगे ? अंडे कैसे हैं ? किस रंग के है ? उनमें से बच्चे कैसे निकलेंगे ? उनके सवालों के जवाब देने के लिए अम्माँ और बाबूजी के पास फुरसत नहीं थी, इसलिए दोनों बच्चे आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली दे लिया करते थे ।

**प्रश्न - 4 माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए ? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया ?**

**उत्तर -** माँ के सोते ही केशव और श्यामा अंडों की रक्षा के लिए टोकरी व दाना-पानी रखने के लिए बाहर निकल आए। परन्तु जब उन दोनों को बिस्तर पर ना पाकर माँ बाहर आ गई तो दोनों चुप हो गए क्योंकि अगर माँ को पता चला कि वो क्या कर रहें हैं तो उनकी पिटाई हो जाएगी ।

**प्रश्न - 5 प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' क्यों रखा ?**

**उत्तर -** नादान दोस्त का अर्थ है - नासमझ साथी । केशव और श्यामा चिड़िया के ऐसे ही नासमझ साथी थे, जिनकी गलती के कारण चिड़िया के अंडे नष्ट हो गए उन्हें अपना बसेरा छोड़कर जाना पड़ा । अंडों की रक्षा करने के प्रयास में उनके द्वारा की गई नादानी ने उनके दोस्तों को परेशानी में डाल दिया । अतः लेखक द्वारा दिया गया शीर्षक सटीक है ।

.....

## पाठ - 4 चाँद से थोड़ी सी गप्पें

**शमशेर बहादुर सिंह**

**शब्दार्थ :**

| | | |
|---|---|---|
| चारों स्मित | - | चारों दिशाओं |
| गोकि | - | यानि |
| निरा | - | एकदम |
| मरज | - | बीमारी |
| पोशाक | - | वस्त्र,कपड़े |

### प्रश्नोत्तर

**प्रश्न - 1 चाँद से गप्पें कौन लड़ा रहा है ? वह चाँद से क्या बातें कर रही है ?**

**उत्तर-** एक दस-ग्यारह साल की लड़की चाँद से गप्पें लड़ा रही है | वह चाँद से उसके आकार-प्रकार और उसकी पोशाक के बारे में बातें कर रही है |

**प्रश्न - 2 चाँद की पोशाक के बारे में कविता में क्या कहा गया है ?**

**उत्तर-** चाँद ने पूरे आकाश को अपनी पोशाक बना लिया है,जिसमे तारे जड़े हैं | इस पोशाक में चाँद इस तरह लिपटा हुआ है कि उसके बीच से केवल गोल-मटोल चेहरा ही दिखाई देता है |

**प्रश्न - 3 लड़की चाँद के घटने-बढ़ने का क्या कारण बताती है ?**
**उत्तर-** लड़की कहती है कि चाँद किसी बीमारी से ग्रस्त होने के कारण घटता-बढ़ता रहता है|

**प्रश्न - 4 'चाँद से थोड़ी सी गप्पें' कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए ?**
**उत्तर-** कविता में एक दस-ग्यारह साल की लड़की चाँद से गप्पें लड़ा रही है | वह चाँद से कहती है कि आप गोल हैं पर तिरछे नजर आते हैं | आपका वस्त्र पूरा आकाश है जिसमें तारे जड़े हैं | आप घटते हैं तो घटते ही चले जाते हैं, फिर पूरी तरह गायब हो जाते हैं, फिर बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं, आपकी यह बीमारी ठीक ही नहीं होती है |

.....

## पर्यायवाची शब्द

पर्यायवाची शब्द का अर्थ बताते हए व्याकरण 'निपुण' से 1 - 20 पर्यायवाची नोटबुक में करवाये जाएंगे |

**परिभाषा** :- किसी शब्द विशेष के समान अथवा एक-सा अर्थ बताने वाले शब्द को पर्यायवाची शब्द कहते हैं |

1. अग्नि - आग, अनल, पावक, ज्वाला
2. अतिथि - मेहमान, पाहुना, अभ्यागत
3. अनोखा - अपूर्व, अनुपम, अद्भुत, अद्वितीय
4. असुर - दानव, निशाचर, राक्षस, दैत्य
5. अहंकार - गर्व, दर्प, घमंड, अभिमान
6. आँख - नेत्र, नयन, चक्षु, लोचन
7. आकाश - नभ, गगन, अम्बर, व्योम
8. आनंद - उल्लास, ख़ुशी, प्रमोद, हर्ष
9. आभूषण - गहना, अलंकार, भूषण, विभूषण

10. इच्छा - आकांक्षा, अभिलाषा, कामना, चाह
11. ईश्वर - परमात्मा, प्रभु, भगवान, जगदीश
12. उन्नति - उत्कर्ष, तरक्की, विकास, उत्थान
13. उपवन - बाग़, बगीचा, उद्यान, वाटिका
14. कमल - पंकज, जलज, अरविन्द, सरसिज
15. कपड़ा - पट, चीर, वस्त्र, वसन
16. किनारा - तट, पुलिन, कूल, तीर
17. किरण - मयूख, रश्मि, अंशु, मरीचि
18. गणेश - लम्बोदर, गजानन, गणपति, विनायक
19. घर - गृह, सदन, भवन, आलय
20. घोड़ा - अश्व, घोटक, तुरंग, हय

.....

## विलोम शब्द

विलोम शब्द का सामान्य परिचय देते हुए व्याकरण निपुण से 1 - 20 विलोम नोटबुक में लिखवाए|

**सामान्य परिचय** -उल्टे अर्थ वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं |

1. अंधकार - प्रकाश
2. अग्रज - अनुज
3. अधिक - कम
4. अनिवार्य - ऐच्छिक
5. अनुराग - विराग
6. अपना - पराया
7. अल्प - अधिक
8. अल्पायु - दीर्घायु
9. आकर्षण - विकर्षण
10. आकाश - पाताल
11. आदर - अनादर
12. आदान - प्रदान
13. आयात - निर्यात
14. आरम्भ - अंत

15. आरोह - अवरोह
16. आलस्य - स्फूर्ति
17. आस्तिक - नास्तिक
18. इच्छा - अनिच्छा
19. इच्छित - अनिच्छित
20. उचित - अनुचित

.....

## अनौपचारिक पत्र

(i) अपने जन्मदिन पर मित्र को आमंत्रित करते हए पत्र लिखिए |

### अभ्यास हेतु

(ii) अपने विद्यालय ( दिल्ली पब्लिक स्कूल ) का वर्णन करते हए अपनी माँ को पत्र लिखिए |

.....

## बाल रामकथा : पूरक पुस्तक

### पाठ 1 : अवधपुरी में राम

**प्रश्न - 1 राजा दशरथ कैसे शासक थे ? उन्हें क्या दुःख था ?**

**उत्तर-** राजा दशरथ एक कुशल योद्धा तथा न्यायप्रिय शासक थे | वे यशस्वी थे, उन्हें किसी चीज की कमी नहीं थी | लेकिन उन्हें दुःख था कि उनकी कोई संतान नहीं थी |

**प्रश्न - 2 राजा दशरथ ने राम को जाने की अनुमति कैसे दे दी ?**

**उत्तर -** मुनि वशिष्ठ ने राजा दशरथ को राम की शक्ति के विषय में बताया | उनसे रघुकुल की रीति का पालन करते हुए अपना वचन निभाने को कहा | उन्होंने यह भी कहा कि विश्वामित्र के साथ रहकर राम उनसे अनेक विद्याएँ सीख सकेंगे | मुनि वशिष्ठ के समझाने पर दशरथ, राम को भेजने के लिए तैयार हो गये |

**प्रश्न - 3 अयोध्या किस राज्य की राजधानी थी ?**

**उत्तर -** अयोध्या कोशल राज्य की राजधानी थी |

# पाठ - 1

# वह चिड़िया जो (केदारनाथ अग्रवाल )

**शब्दार्थ :**

| | | |
|---|---|---|
| जुंडी | - | जौ , बाजरे की बालियाँ |
| रूचि | - | चाहत , पसंद |
| मुँहबोली | - | चिर , परिचित |
| विजन | - | एकांत , सुनसान |
| गरबीली | - | गर्वीली , अभिमान से भरी हुई |
| उँड़ेलकर | - | डालकर |

## प्रश्नोत्तर

**प्रश्न -1 'वह चिड़िया जो' कविता के आधार पर बताइए कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है ?**

**उत्तर -** चिड़िया को अन्न से प्यार है , वह दूधिया व अधपके जुंडी के दाने बड़े मन से खाती है। उसे विजन से प्यार है, एकांत वन में वह बड़े उमंग से मधुर स्वर में गाती है । चिड़िया को नदी से भी प्यार है । वह नदी की बीच धारा से जल की बूंदे अपनी चोंच में लेकर उड़ जाती है । यह चीज़ें उसे आज़ादी का एहसास दिलाती हैं, इसलिए वह इन सबसे प्यार करती है ।

**प्रश्न -2 आशय स्पष्ट कीजिए :-**

**(क)** रस उँडेल कर गा लेती है

**उत्तर -** प्रस्तुत पंक्ति पाठ्यपुस्तक वसंत से ली गई है । इसके रचयिता केदारनाथ अग्रवाल है | प्रस्तुत पंक्ति में कवि यह कहना चाहते है कि चिड़िया मधुर स्वर में गाती है । उसके स्वर (आवाज) की मधुरता वातावरण में रस घोल देती है।

**(ख)** चढ़ी नदी का दिल टटोलकर
जल का मोती ले जाती है

**उत्तर -** प्रस्तुत पंक्ति में कवि चिड़िया के साहस के बारे में बता रहे हैं । कवि कहते हैं कि चिड़िया जल से भरी उफनती नदी के बीच से अपनी चोंच में पानी की बूँद लेकर उड़ जाती है । ऐसा लगता है जैसे वह नदी के ह्रदय से मोती लेकर उड़ी जा रही है ।

**प्रश्न -3 कवि ने चिड़िया को छोटी, संतोषी, मुँह बोली और गरबीली चिड़िया क्यों कहा है ?**

**उत्तर -** चिड़िया छोटे आकार की थी और किसी भी बात को बोलने से नहीं झिझकती है इसलिए कवि ने उसे छोटी और मुँह बोली कहा है । वह संतोषी स्वभाव की है । अतः कवि उसे संतोषी कहता है । चिड़िया को अपने कार्यों पर गर्व है क्योंकि वह नदी के बीच से पानी पीने जैसा कठिन कार्य सफलतापूर्वक कर जाती है। यही कारण है कि कवि ने चिड़िया को गरबीली कहा है ।

**प्रश्न -4 चिड़िया के माध्यम से कवि क्या सन्देश देना चाहता है ?**

**उत्तर -** चिड़िया के माध्यम से कवि प्रसन्नता से जीने का सन्देश देता है । कवि कहना चाहते हैं कि हमें थोड़े में संतोष करना चाहिए । अधिक की लालसा नहीं रखनी चाहिए । इस कविता में अकेलेपन में भी उमंग से रहने का सन्देश दिया गया है । इसके साथ ही कवि हमे बताते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी हमें साहस नहीं खोना चाहिए तथा अपनी क्षमता को पहचानना चाहिए।

.....

## पाठ - 2

## बचपन (लेखिका - कृष्णा सोबती )

**शब्दार्थ :**

| | | |
|---|---|---|
| सख्त | - | कठोर |
| सैर | - | भ्रमण / घूमना |
| शताब्दी | - | सौ वर्षों की अवधि |
| कमतर | - | दूसरो से कम |
| खीजना | - | चिढ़ना |

### प्रश्नोत्तर

**प्रश्न -1 लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या - क्या काम करती थीं ?**

**उत्तर -** लेखिका इतवार की सुबह पहले अपने मोज़े धोती थी फिर जूते पोलिश करके कपड़े या ब्रुश से रगड़कर चमकाती थी ।

**प्रश्न -2 'तुम्हें बताउँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है ।' यह कहकर लेखिका क्या-क्या उदाहरण देती है ?**

**उत्तर -** लेखिका के अनुसार आज और कल के समय में जो दूरी है वो इस प्रकार है उस समय मनोरंजन का साधन ग्रामोफ़ोन था,परन्तु आज उसका स्थान रेडियो और टेलीविजन ने ले लिया है। पहले बच्चे कुलफ़ी खाना पसन्द किया करते थे,परन्तु आज उसकी जगह आइसक्रीम ने ले ली है। उस समय खाने में केवल कचौड़ी - समोसे होते थे,आज उनकी जगह पैटीज़ ने ले ली है। शहतूत, फ़ालसे और खसखस के शरबत का स्थान आजकल पेप्सी और कोक ने ले लिया है। यही वो दूरी है जो लेखिका ने बताई है।

**प्रश्न -3 लेखिका अपने बचपन में कौन-कौन सी चींजे मजा ले-लेकर खाती थीं ? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखिए |**

**उत्तर -**लेखिका बचपन में चाकलेट खाना बहुत पसंद करती थीं। वो हमेशा रात में खाने के बाद अपने बिस्तर में आराम व मज़े लेते हुए चाकलेट खाती थीं। इसके अलावा लेखिका को चनाजोर गरम , काफ़ल, रसभरी, कसमल और चेस्टनट बहुत पसन्द थे।

**प्रश्न -4 लेखिका बचपन में कैसी पोशाक पहना करती थी ?**

**उत्तर -** लेखिका ने बचपन में पहनी गई फ्रॉक में से तीन का वर्णन किया है - एक नीली पीली धारी वाला फ्रॉक था , जिसका कॉलर गोल था । दूसरा हल्के गुलाबी रंग का बारीक चुन्नटों वाला घेरदार फ्रॉक था, जिसमे गुलाबी फ्रिल लगी हुई थी । लेमन कलर के बड़े प्लेटों वाले गर्म फ्रॉक का जिक्र भी लेखिका ने अपने संस्मरण में किया है ।

**प्रश्न -5 लेखिका को शिमला रिज की याद क्यों आती है ?**

**उत्तर -** बचपन में लेखिका कृष्णा सोबती जी ने शिमला रिज बहुत यादगार समय बिताया है इसलिए इसकी याद उनके जीवन का महत्त्वपूर्ण अध्याय है । वहाँ उन्होंने घोड़ों की सवारी की थी उन घोड़ों को देखकर वे हँसा करती थी क्योंकि उनके ननिहाल के घोड़े बड़े हृष्ट - पुष्ट और खूबसूरत थे । अँधेरा होने के बाद बत्तियों की रौशनी में रिज की रौनक देखते ही बनती थी । वो यादें आज भी उनके दिलों - दिमाग में छाई हैं इसलिए लेखिका को शिमला रिज की याद बहुत आती है |

.....

# संज्ञा

**परिभाषा** :- किसी व्यक्ति ,वस्तु ,स्थान अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं |

**संज्ञा के भेद :- 1. व्यक्तिवाचक**

**2. जातिवाचक**

**3. भाववाचक**

**1.व्यक्तिवाचक :-** जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति ,वस्तु ,स्थान या प्राणी का बोध कराते हैं ,वे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं ।

गुंजन गीत गा रही है |

जयपुर सुंदर शहर है |

**2.जातिवाचक :-** जो संज्ञा शब्द किसी प्राणी या वस्तु की पूरी जाति का बोध कराते हैं ,उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं ।

पेड़ पर बंदर उछल रहे हैं |

बच्चे खेल रहे हैं |

**3.भाववाचक :-** जो संज्ञा शब्द किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण ,दोष ,दशा ,अवस्था आदि का बोध कराए ,उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं ।

राम और श्याम में गहरी मित्रता है |

मोटापा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है |

भाववाचक संज्ञा बनाने के नियम :-

- जातिवाचक संज्ञा शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाना -

| | | |
|---|---|---|
| जातिवाचक | - | भाववाचक |
| मनुष्य | - | मनुष्यता |
| मित्र | - | मित्रता |
| पशु | - | पशुता |
| बच्चा | - | बचपन |

- सर्वनाम शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाना -

| | | |
|---|---|---|
| सर्वनाम | - | भाववाचक |
| अपना | - | अपनत्व |
| मम | - | ममत्व |
| पराया | - | परायापन |

- विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाना -

| | | |
|---|---|---|
| विशेषण | - | भाववाचक |

| | | |
|---|---|---|
| गरीब | - | गरीबी |
| वीर | - | वीरता |
| मोटा | - | मोटापा |
| नम्र | - | नम्रता |

- क्रिया शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाना -

| | | |
|---|---|---|
| क्रिया | - | भाववाचक |
| पढ़ना | - | पढ़ाई |
| लड़ना | - | लड़ाई |
| कमाना | - | कमाई |

- अव्यय शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाना -

| | | |
|---|---|---|
| अव्यय | - | भाववाचक |
| निकट | - | निकटता |
| शाबाश | - | शाबाशी |
| दूर | - | दूरी |

**अभ्यास कार्य :-**

**प्र :1 निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक रूप लिखिएः**

| शब्द | भाववाचक संज्ञा | शब्द | भाववाचक संज्ञा |
|---|---|---|---|
| मानव | | सर्व | |
| पशु | | मम | |
| बहना | | चलना | |
| शत्रु | | प्रभु | |
| शिशु | | भाई | |
| सेवक | | निज | |
| कमाना | | निर्धन | |
| चतुर | | कायर | |

**प्र : 2 निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर उनके भेद लिखिए :-**

(क) राम का घोड़ा दौड़ रहा है |

(ख) उसकी बहन अनुराधा खेल रही है |

(ग) बुढ़ापे में शरीर दुर्बल हो जाता है |

(घ) पेड़ पर बन्दर फल खा रहा है |

(ड़) ताजमहल आगरा में स्थित है |

(च) पार्क में चारों ओर हरियाली छाई है |

**प्र : 3 निम्नलिखित शब्दों में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञा शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए :-**

वीरता, हाथी, दिल्ली, शत्रुता, घोड़ा, हिमालय, गुरुता, अध्यापक, बचाव, नेता, कुतुबमीनार, महात्मा गाँधी |

.....

## संज्ञा के विकारक तत्व - लिंग

**लिंग :-**संज्ञा शब्द के जिस रूप में पुरुष जाति या स्त्री जाति का बोध होता है उसे लिंग कहते हैं ।

**लिंग के भेद :-**

**(1) पुल्लिंग**

**(2) स्त्रीलिंग**

**(1) पुल्लिंग :-** पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं ; जैसे- दादा, पुत्र, पिता, शेर, सेठ आदि |

**(2) स्त्रीलिंग :-** स्त्री जातिका बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं ; जैसे- दादी, पुत्री, माता, शेरनी, सेठानी आदि|

**लिंग बदलने के प्रमुख नियम :-**

- ई जोड़कर

| **पुल्लिंग** | - | **स्त्रीलिंग** |
|---|---|---|
| पुत्र | - | पुत्री |
| लड़का | - | लड़की |
| बकरा | - | बकरी |

- इन जोड़कर

| **पुल्लिंग** | **-** | **स्त्रीलिंग** |
|---|---|---|
| सुनार | - | सुनारिन |
| लुहार | - | लुहारिन |
| धोबी | - | धोबिन |

- नी जोड़कर

| **पुल्लिंग** | **-** | **स्त्रीलिंग** |
|---|---|---|
| ऊँट | - | ऊँटनी |
| मोर | - | मोरनी |
| शेर | - | शेरनी |

- इका जोड़कर

| **पुल्लिंग** | **-** | **स्त्रीलिंग** |
|---|---|---|
| शिक्षक | - | शिक्षिका |
| नायक | - | नायिका |
| लेखक | - | लेखिका |

- आनी जोड़कर

| **पुल्लिंग** | **-** | **स्त्रीलिंग** |
|---|---|---|
| देवर | - | देवरानी |
| नौकर | - | नौकरानी |
| सेठ | - | सेठानी |

- अ को आ करके

| **पुल्लिंग** | **-** | **स्त्रीलिंग** |
|---|---|---|
| प्रिय | - | प्रिया |
| छात्र | - | छात्रा |
| शिष्य | - | शिष्या |

- आइन जोड़कर

| **पुल्लिंग** | **-** | **स्त्रीलिंग** |
|---|---|---|
| ठाकुर | - | ठकुराइन |
| पंडित | - | पंडिताइन |

- अन्य

  कवि - कवयित्री

  सम्राट - सम्राज्ञी

  विद्वान् - विदुषी

## अभ्यास

**प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों में से रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य को दोबारा लिखिए :-**

(क) <u>सम्राट</u> सिंहासन पर बैठे हैं |

.....

(ख) इस फिल्म में <u>नायक</u> ने अच्छा अभिनय किया |

.....

(ग) यह <u>कवि</u> बहुत विद्वान है |

.....

(घ) <u>नौकर</u> स्वादिष्ट खाना बनाता है |

.....

(ङ) बाजार में एक <u>भिखारी</u> भीख माँग रहा है |

.....

(च) <u>सिंह</u> जंगल में रहता है |

.....

(छ) हमारे <u>आचार्य</u> जी बहुत अच्छा पढ़ाते हैं |

.....

# वचन

**<u>परिभाषा</u>:-** शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चलता है ,उसे वचन कहते हैं |

**वचन के प्रकार :- (1) एकवचन**

**(2) बहुवचन**

**(1) एकवचन :-** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक होने का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं |

**(2) बहुवचन :-** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं |

**वचन परिवर्तन :- एकवचन से बहुवचन बनाना**

- **अ के स्थान पर एँ :-**

पुस्तक - पुस्तकें

रात - रातें

आँख - आँखें

- **आ के स्थान पर ए लगाकर :-**

कपड़ा - कपड़े

बच्चा - बच्चे

रास्ता - रास्ते

- **आ के स्थान पर एँ :-**

सभा - सभाएँ

कन्या - कन्याएँ

कविता - कविताएँ

- **इ /ई के स्थान पर इयाँ लगाकर :-**

मक्खी - मक्खियाँ

नदी - नदियाँ

मछली - मछलियाँ

- **कुछ शब्दों के अंत में गण, वृंद, जन, वर्ग, दल, आदि शब्द जोड़कर :-**

कवि - कविगण

पंछी - पंछीवृंद

गुरु - गुरुजन

# अभ्यास

**प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों में से रेखांकित शब्दों के वचन लिखिए :-**

(क) <u>वह</u> अपने नाना के घर गया | .....

(ख) मेज़ पर <u>केले</u> रखे हैं | .....

(ग) <u>नेतागण</u> बहुत भ्रष्ट होते हैं | .....

(घ) <u>मुझे</u> पीने के लिए पानी दो | .....

(ङ) उन सभी <u>लड़कों</u> को बुलाओ | .....

(च) <u>बंदर</u> पेड़ पर बैठे हैं | .....

**प्र : 2 निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए :-**

| | | | |
|---|---|---|---|
| पैसा | ..... | पक्षी | ..... |
| पेंसिल | ..... | जल | ..... |
| दरवाजा | ..... | चींटी | ..... |
| पुस्तक | ..... | महिला | ..... |
| बच्चा | ..... | गौ | ..... |

## अनुच्छेद लेखन

**(i) खेलों का महत्त्व:-** संकेत बिंदु - प्रस्तावना, शारीरिक विकास, खेलों के प्रकार, विविध गुणों की प्राप्ति, उपसंहार |

**(ii) मेरे आदर्श अध्यापक :-**संकेत बिंदु, परिचय, आदर्श अध्यापक का व्यक्तित्व , प्रभाव, उपसंहार|

**(iii) प्लास्टिक की हानियाँ :-**संकेत बिंदु, प्रस्तावना, प्लास्टिक का प्रयोग, प्लास्टिक के फायदे , प्लास्टिक से हानियाँ, उपसंहार |

.....

## अपठित गद्यांश

पेड़ - पौधों के साथ मानव .....अनियंत्रित कटाई का विरोध किया है | (पेज न. 185)

व्याकरण निपुण से अपठित गद्यांश नोटबुक में करवाया जाएगा |

.....

## चित्र वर्णन

व्याकरण पुस्तक निपुण के पृष्ठ संख्या -150 से चित्र वर्णन नोटबुक में करवाया जाएगा |

# पाठ - 9. टिकट अलबम (कहानी)

**लेखक** - सुंदरा रामस्वामी

## शब्दार्थ :-

टोली – दल / झुंड
अगुआ – मुखिया
पगडंडी – कच्चा रास्ता
ठहाका – खुलकर हँसना
तारीफ – प्रशंसा
ईर्ष्यालु – ईर्ष्या करने वाला

**प्रश्नोत्तर :-**

**प्रश्न 1. नागराजन के अलबम के मुख्य पृष्ठ पर किसने व क्यों लिखा ?**
**उत्तर -** नागराजन के मामाजी ने सिंगापुर से एक अलबम भिजवाया था । जिसके मुख्य पृष्ठ पर मोती जैसे अक्षरों में उन्होंने लिखकर भेजा था । लिखने का मुख्य कारण यह था कि कोई उस अलबम को चुरा न सके ।

**प्रश्न 2. नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा के मन की क्या दशा हुई ?**
**उत्तर -** नागराजन के अलबम के हिट हो जाने से राजप्पा का मन दुखी हो गया । अपने अलबम को सम्मान न मिलने पर उसे स्कूल जाना भी खलने लगा | लड़कों के सामने जाने में शर्म आने लगी । धीरे - धीरे राजप्पा अपने दोस्तों से कटा - कटा रहने लगा । उसे लगा कि उसका अलबम वाकई कूड़ा हो गया है ।

**प्रश्न 3. राजप्पा ने नागराजन का टिकट-अलबम अँगीठी में क्यों डाल दिया ?**
**उत्तर -** राजप्पा को लगा कि उसके अलबम का महत्व अब कम हो गया है । उसने ईर्ष्या की भावना के कारण नागराजन के अलबम को जला दिया, परंतु बाद में उसे आत्मग्लानि होने लगी । उसने महसूस किया कि उसने जो किया वह सही नहीं था ।

**प्रश्न 4. लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से क्यों की ?**
**उत्तर -** जिस प्रकार मधुमक्खी परिश्रम करके इधर - उधर से फूलों का रस इकट्ठा कर शहद बनाती है, ठीक उसी प्रकार राजप्पा ने भी मेहनत व लगन से टिकट जोड़कर वह सुंदर अलबम बनाया था । इसलिए लेखक ने टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से की है ।

# पाठ -10. झाँसी की रानी (कविता)

**लेखिका -** सुभद्रा कुमारी चौहान

## शब्दार्थ :-

भृकुटी - भौहें
फिरंगी - अंग्रेज
पुलकित - खुश
आह्वान - बुलावा
अभिराम - सुंदर
निरंतर - लगातार

**प्रश्नोत्तर :-**

**प्रश्न 1. 'किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई'**

**(क) इस पंक्ति में किस घटना की ओर संकेत है**

**(ख) काली घटा घिरने की बात क्यों कही गई है ?**

**उत्तर -** (क) प्रस्तुत पंक्ति में रानी लक्ष्मीबाई के पति की मृत्यु की घटना की ओर संकेत किया गया है ।

(ख) लक्ष्मीबाई के जीवन में आई कठिनाइयों के कारण कवयित्री ने काली घटा घिरने की बात कही है ।

**प्रश्न 2. कविता की दूसरी पंक्ति में भारत को 'बूढा' कहकर और उसमें 'नई जवानी' आने की बात कहकर सुभद्रा कुमारी चौहान क्या बताना चाहती हैं?**

**उत्तर -** भारत को बूढ़ा कहने से कवयित्री का तात्पर्य अंग्रेजों द्वारा भारत की शक्ति व क्षमता को कम कर देने से है , गुलामी से जकड़े भारत को बूढ़ा कहा गया है । 1857 की क्रांति में पुनः चेतना के संचार होने व रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व को नयी जवानी से समझाया गया है ।

**प्रश्न 3. 'झाँसी की रानी' कविता में किन - किन स्वतंत्रता सेनानियों का नाम लिया गया है ? लिखिए ।**

**उत्तर -** इस कहानी में वीर शिवाजी, नाना धुंधूपंत, तातियाँ टोपे , अजीमुल्ला सरनाम , अहमद शाह मौलवी, ठाकुर कुँवरसिंह, सैनिक अभिराम आदि अनेक वीर पुरुषों के नाम आए हैं।

**प्रश्न 4. 'झाँसी की रानी' कविता के द्वारा हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?**

**उत्तर -** 'झाँसी की रानी' कविता वीरांगना लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित कविता है । इस कविता से हमें अन्याय का विरोध करने, समस्याओं का धैर्य व वीरता से मुकाबला करने तथा प्रत्येक स्थिति में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है । यह कविता महिला वर्ग को आगे बढ़ने का संदेश देती है ।